**भारत सरकार**

**कृषि एवं किसान कल्‍याण मंत्रालय**

**कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्‍याण विभाग**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न सं. 1788**

**06 मार्च, 2020 को उत्‍तरार्थ**

**विषय: मंत्रालय में कार्य संस्कृति में सुधार लाया जाना**

**1788. डा॰ विनय पी॰ सहस्रबुद्धेः**

**क्या कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) क्या विगत पांच वर्षों के दौरान सामान्य रूप से मंत्रालय द्वारा और/अथवा इसके विभिन्न विभागों अथवा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और उससे जुड़े स्वायत्तशासी निकायों द्वारा कार्य संस्कृति में सुधार लाने, अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने और साथ ही साथ परिणामोन्मुखता को बढ़ाने के लिए किसी तरह के नए और नवोन्मेषी उपाय किए गए हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) इन प्रयासों के क्या प्रभाव पड़े हैं?

**उत्‍तर**

**कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री नरेंद्र सिंह तोमर)**

**(क)** जी हां। कार्य संस्कृति में सुधार के लिए कई अनेक अभिनव उपाय किए गए हैं।

**(ख)** सूचना के संकलन, प्रसार और प्रस्तुतिकरण के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकी का प्रयोग किया जा रहा है। एक सरलीकृत, उत्तरदायी, प्रभावी और पारदर्शी कार्य संस्कृति प्राप्त करने के लिए ई-ऑफिस की शुरूआत की गई है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा निधियों के वितरण में पारदर्शिता लाने के प्रयास शुरू किए गए हैं। जीईएम के माध्यम से ई-प्रोक्‍यूरमेंट से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद में अधिक पारदर्शिता आई है। पीएफएमएस के माध्यम से भुगतान का डिजिटलीकरण किया गया है। कार्य संस्कृति में सुधार के लिए बायोमेट्रिक उपस्‍थिति प्रणाली शुरू करके कार्यान्‍वित की जा रही है। पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए कई स्‍कीमों के तहत परिसंपत्तियों की जियोटैगिंग शुरू की गई है।

**(ग)** इन नवीन और अभिनव उपायों के कार्यान्वयन से कार्य संस्कृति में पारदर्शिता, कार्यदक्षता और जवाबदेही पर सकारात्मक प्रभाव देखा गया है।

\*\*\*\*